6. Representative Photos of the Programme

माननीय कुलपति डॉ. बंशगोपाल सिंह जी द्वारा दीप माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष प्रज्जलित कर कार्यशाला का शुभारंभ

माननीय कुलपति डॉ. बंशगोपाल सिंह जी का पुष्पपौध से स्वागत

वक्ता का पुष्पपौध से स्वागत

राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजक डॉ. जयपाल सिंह द्वारा कार्यशाला का उद्देश्य और प्रस्तावना की प्रस्तुति

माननीय कुलपति डॉ. बंशगोपाल सिंह जी अध्यक्षीय उद्‌बोधन

उद्‌घाटन.सत्र में प्रतिभागी

उद्घाटन.सत्र में प्रतिभागी

उद्घाटन.सत्र में प्रतिभागी

उद्घाटन.सत्र

विषय विशेषज्ञ का शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न देकर सम्मान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान पश्चात्य शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न देकर सम्मान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान पश्चात्य प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरीय

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान पश्चात्य शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न देकर सम्मान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान पश्चात्य शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न देकर सम्मान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान पश्चात्य शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न देकर सम्मान

विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान पश्चात्य प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरीय

समापन-सत्र में माननीय कुलपति, कुलसचिव तथा सम्मानीय अतिथिगण

मुख्य अतिथि का पुष्पपौध देकर स्वागत

विशिष्ट अतिथि का पुष्प पौध देकर स्वागत

कुलसचिव डॉ. इन्दु अनंत जी का पुष्पपौध देकर स्वागत

संयोजक डॉ. जयपाल सिंह द्वारा कार्यशाला पालन प्रतिवेदन की प्रस्तुति

माननीय कुलपति डॉ. बंशगोपाल सिंह जी द्वारा समापन-सत्र पर संबोधन

मुख्य अतिथि जी द्वारा समापन-सत्र पर संबोधन

माननीय कुलपति जी द्वारा मुख्य अतिथि का शाल श्रीफल तथा स्मृति-चिह्न देकर सम्मान

माननीय कुलपति जी द्वारा विशिष्ट अतिथि का शाल श्रीफल तथा स्मृति.चिह्न देकर सम्मान

प्रतिभागी द्वारा कार्यशाला का अनुभव प्रस्तुति

प्रतिभागी द्वारा कार्यशाला का अनुभव प्रस्तुति

राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिभागीगण

7. Newspaper Clippings of the Media Coverage of the Programme

प्रथम दिवस 13 फरवरी, 2023 **राष्ट्रीय समाचार-पत्र नई दुनिया**

क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग में न हों हीन भावना से ग्रसित : कुलपति

बिलासपुर(नईदुनिया न्यूज)। पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय एवं भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय के संयुक्ततत्वावधान में 13 से 15 फरवरी तक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति डा. वंश गोपाल सिंह ने की।

प्रारंभ में कार्यशाला संयोजक डा. जयपाल सिंह प्रजापति ने बताया कि भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषयक इस कार्यशाला में देश के विभिन्न स्थानों से आए प्रतिभागी भारतीय भाषाओं सहित देश की अन्य भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन की बारीकियों को विस्तार से समझ सकेंगे। प्रारंभिक तकनीकी सत्र में भारतीय भाषाओं का तकनीकी विकास सूचना प्रौद्योगिकी और अनुसंधान लेखन और भारतीय भाषाओं में अकादमिक संसाधनों की उपलब्धता पर व्याख्यान और चर्चा-परिचर्चा होती है। इसी तरह तीनों दिन कृषि, चिकित्सा, अनुवाद, तकनीकी शब्दावली, नई शिक्षा नीति 2020 जैसे विषयों पर व्याख्यान होगा। वहीं अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने कहा जब दूसरे देश अपनी संस्कृति, भाषा पर गर्व करते दिखते हैं, वहीं हम हिंदी साहित्य अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग करने में क्यों हीन भावना से ग्रसित दिखायी दे रहे हैं? हमें इस पर विचार करना चाहिऐ। भारतीय भाषाओं में अनेक प्रदेशों में अच्छे कार्य हो रहे हैं, हमारे पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में ही चिकित्सा और अभियांत्रिकी जैसे कठिन समझे जाने वाले विषयों की पाठ्यसामग्री हिंदी में लिखी गई है। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि भाषा को जितना सरल, सहज बना कर विषयों को पाठकों तक प्रस्तुत कर पाए तो वह अच्छी बात होगी, नई शिक्षा नीति से यह संभावना बलवती दिख रही है। आने वाले समय में भारतीय भाषाओं में शोध सामग्री की उपलब्धता बढ़ेगी। प्रो शोभित वाजपेयी ने भाषायी विकास को रेखांकित करते हुए हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के क्षेत्रीय विकास और उन भाषाओं, बोलियों का जनजीवन के संबंध को बताया।

तकनीकी तत्र में डॉ. तरुण दीवान ने कंम्प्यूटर और भाषा के सहसंबंध पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के वैज्ञानिक और तकनीकी स्रोतों को बताते हुए इस बात पर जोर दिया किया कि हम जब शोध के लिए भारत की किसी भी भाषा का प्रयोग करते है, तो आज की तारीख में उसकी अपार संभावनाएं हैं। प्रो. पीके वाजपेयी ने बताया कि हमें भारतीय भाषाओं में अकादमिक संसाधनों की उपलब्ध सामग्री का प्रयोग अपने शोध और अकादमिक लेखन में करना ही चाहिए। भाषा का संबंध केवल शोध और अकादमिक से भर है ऐसा नहीं बल्कि भाषा चाहे विश्व कि किसी भी भाषा की बात कर लीजिए उसका संबंध आमजन से भी होता है।

कार्यक्रम में कुलपति का किया गया स्वागत • नईदुनिया

राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिभागीगण

राष्ट्रीय कार्यशाला